GOVT. SHIVNATH SCIENCE COLLEGE RAJNANDGAON (C.G.)

Garurav Path Rajnandgaon, Chhattisgarh

(Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg)

website - http://www.govtshivnathcollege.in **Email-shivnathcollege@gmail.com**

शीर्षक- हिन्दी साहित्य की काव्यगत प्रमुख प्रवृत्तियाँ पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला

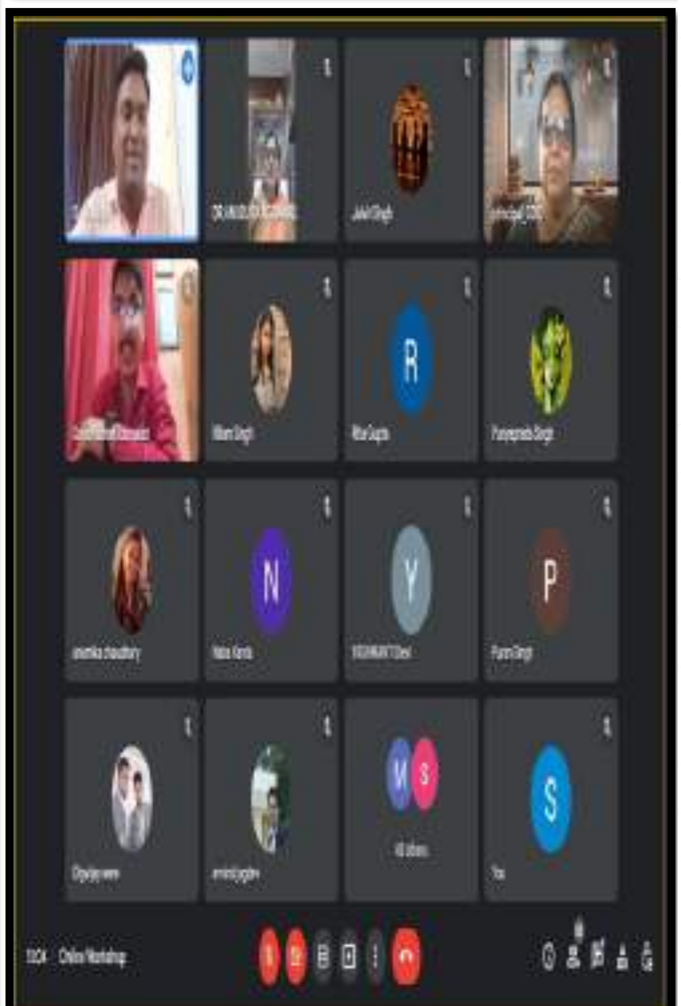

Three Days State Level Workshop on "Instrumentation"

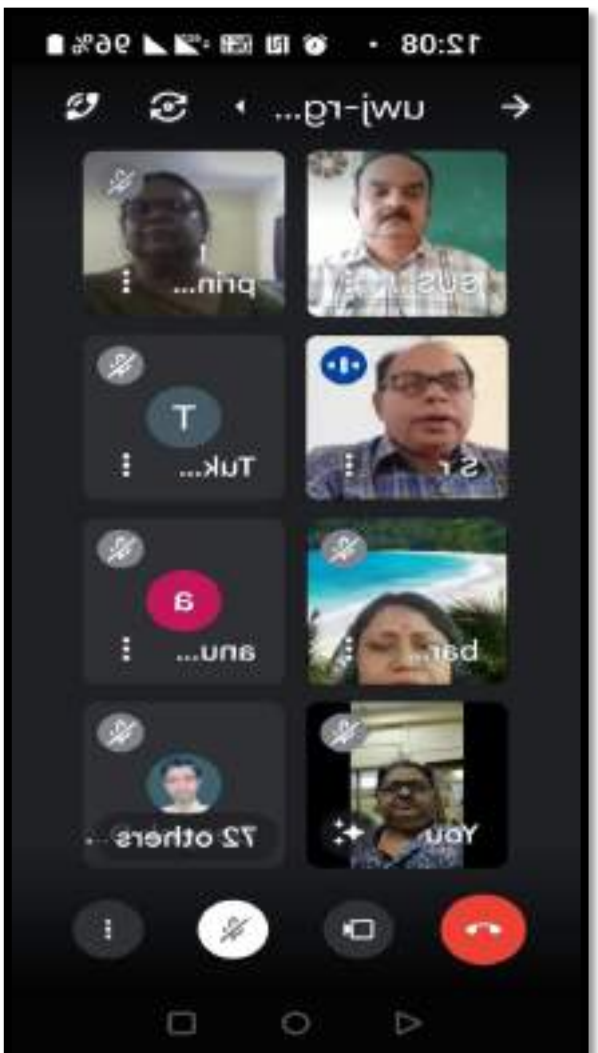

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में इंस्ट्रूमेंटेशन पर कार्यशाला का आयोजन

- **Use of Statistical Tools & Plagiarism in Research**

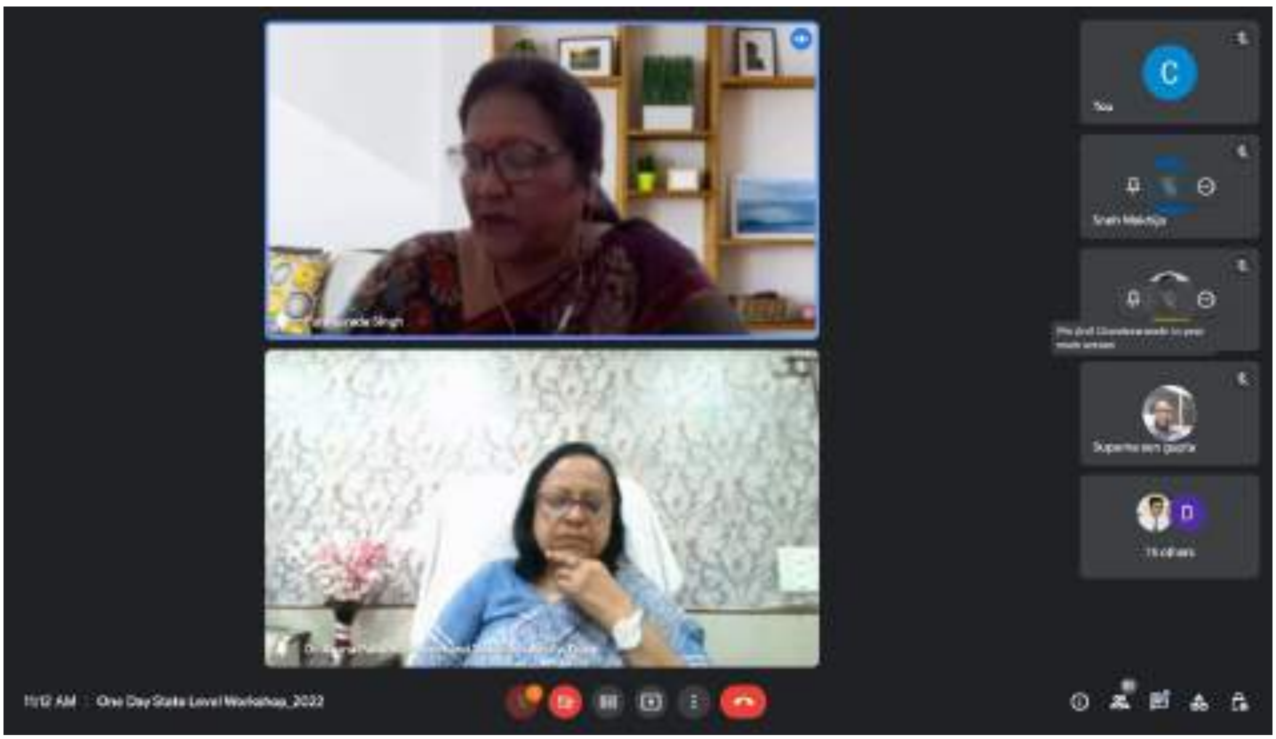

- **<u>An Awareness Programme Intellectual property rights</u>**

- **<u>An Awareness Programme on SWAYAM</u>**

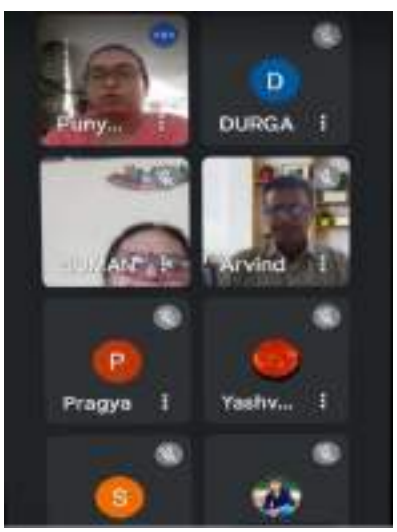

- **Seven Days 'Computer Skill Training Workshop'**

- <u>**Orientation program for newly appointed Assistant Professor**</u>

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

(कार्यशाला की रूपरेखा)

- "राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में महिलाओं का योगदान" (विशेष रूप से जिनका इतिहास के पन्नों में उल्लेख नहीं है) विषय पर इतिहास विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

- **Workshop on Entrepreneurship Development**

- **National webinar on "Loss of Biodiversity": Cause and prospective by Department of Zoology & Botany with IQAC)**

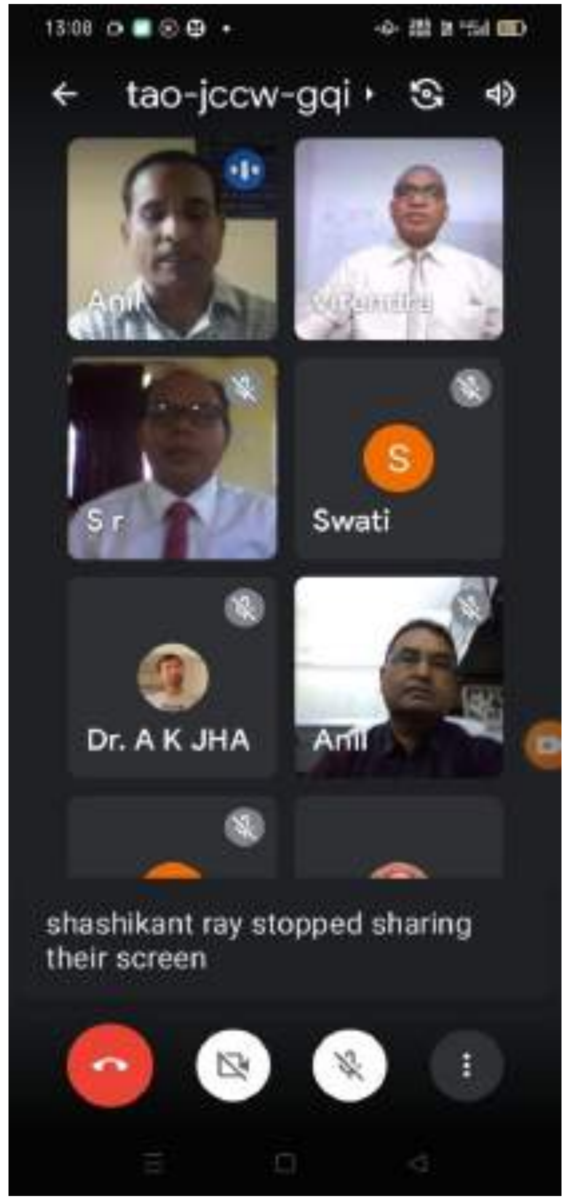

- **One Day ICT Training Program**

- **Seven Days 'Computer Skill Training Workshop'**

- **National webinar on "Need and Feasibility of water conservation" : by Department of Botany & Zoology with IQAC)**

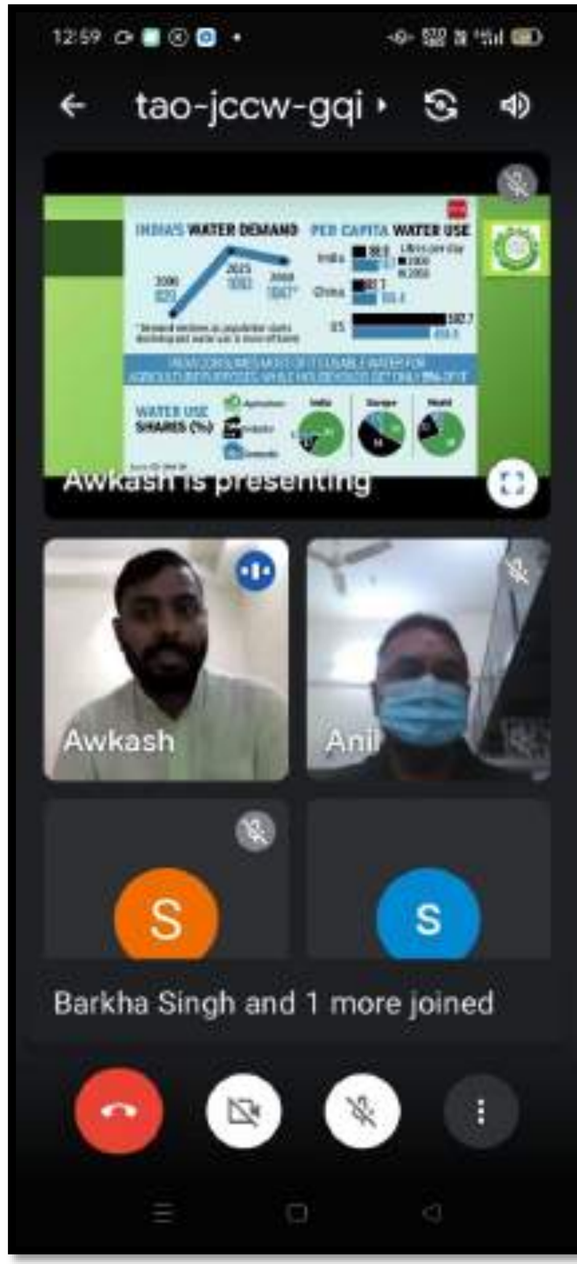

- **One day National Webinar-** वैश्वीकरण का समाज में बढ़ते अपराध का प्रभाव'' (समाजशास्त्र विभाग)

National Webinar-Impact of COVID-19 on higher education by department Of Political Science

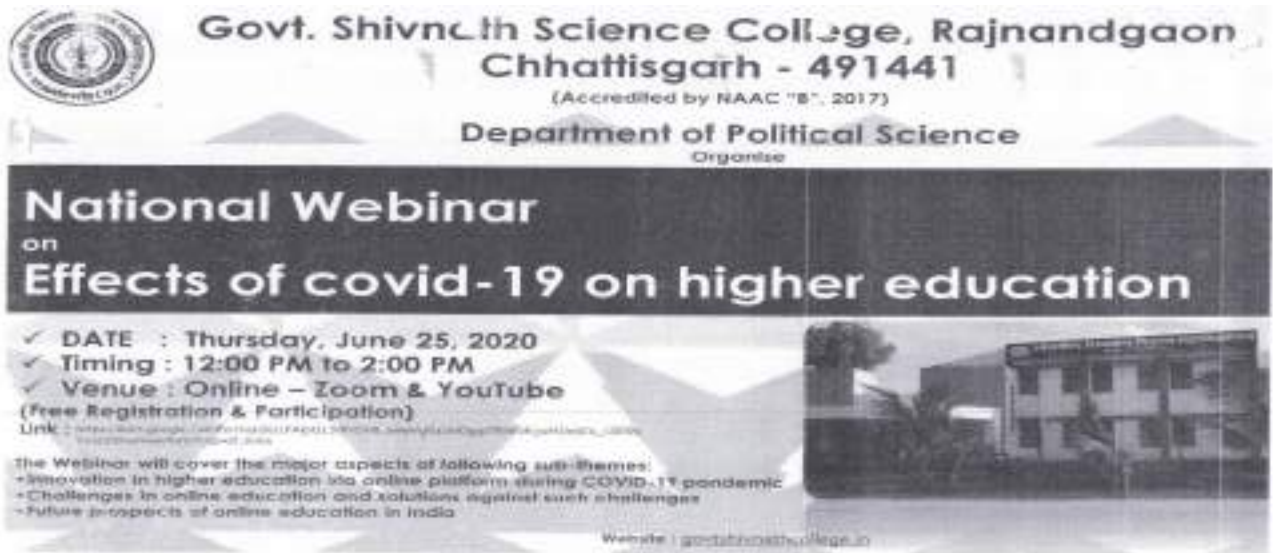

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में दिनांक 25 जून 2020 को प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी की अध्यक्षता में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विषय "कोविड–19 का उच्च शिक्षा पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबिनार (ऑनलाइन) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर द्वारा सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अरूणा पल्टा कुलपति, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरोना वायरस एक वैश्विक संक्रमण है। इस आपदा का हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू पर प्रभाव पड़ा है। उच्च शिक्षा भी लॉकडाउन के कारण निश्चित रूप से प्रभावित हुआ है। जब सारे स्कूल, कॉलेज बंद थे तब शिक्षकों ने विद्यार्थियों के अधूरे कोर्स को ऑनलाइन क्लास (जूम एप) द्वारा वीडियो, स्टडी मटेरियल के माध्यम से पूरा किया। उन्होंने कहा आवश्यकता अविष्कार की जननी है। ऑनलाइन लर्निंग, वर्चुवल क्लास आज समय की मांग है। कोविड–19 ने हमें ऑनलाइन पढ़ाई कराने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा हावर्ड विश्वविद्यालय में बहुत सारे कोर्स फ्री और ऑनलाइन है उसका लाभ उठाना है। बहुत से पोर्टल सरकार द्वारा चलाये जा रहा है, जहाँ वीडियो लेक्चर, स्टडी मटेरियल, ई–बुक्स पहले से मौजूद है। टेक्नोलॉजी का उपयोग कर विद्यार्थी को अपने को अपडेट करना होगा।

विशेष अतिथि डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डीन–हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने कहा कि हम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर विद्यार्थियों को लाभ पहुंचायेंगे। **मोबाइल, शिक्षा का सूत्र धार** बन गया है वह जीवन का आवश्यक अंग हो गया है। बदलती हुई परिस्थितियों में ऑफलाइन के स्थान पर ऑनलाइन को महत्व दें। अब पढ़ाई, एडमिशन, परीक्षा सब ऑनलाइन होते जा रही है। विशिष्ट अतिथि डॉ. अंजनी कुमार शुक्ला पूर्व प्राचार्य, कुलसचिव–कुशाभाऊ ठाकरे वि.वि. रायपुर, संयुक्त संचालक, उच्च शिक्षा ने कहा कि कोविड–19 के विश्व व्यापी महामारी से हर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। यह एक तरफ चुनौती है तो वरदान भी है। सरकार को नेट की सुविधा बढ़ानी होगी। ऑनलाइन का क्षेत्र व्यापक है। आदिवासी या पिछड़े इलाके के लोगों को ऑनलाइन से कैसे जोड़ पायेंगे यह बड़ी चुनौती है।

राजनीति विज्ञान की विषय विशेषज्ञ डॉ. ममतामणि त्रिपाठी, एसोशिएट प्रो. बुद्ध पी.जी. कॉलेज कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) ने कोविड–19 और उच्च शिक्षा में नवाचार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समय के साथ अपने आप को परिवर्तित करना ही शिक्षा है। ऑनलाइन शिक्षा को सही तरीके से लागू करना है तो टीचर्स की पहले ट्रेनिंग हो, नवाचार हेतु यह जरूरी है। अगर इंटरनेट कनेक्शन पावरफुल रहा तो गांव और शहर के बीच की दूरियाँ कम हो जायेंगे और सभी बच्चे आसानी से पढ़ लेंगे। विषय

विशेषज्ञ – डॉ. सुचिता पाण्डे– एसोसिएट प्रोफेसर, (राजनीति विज्ञान), के. साकेत कॉलेज, अयोध्या (उत्त. प्रदेश) ने ऑनलाइन उच्च शिक्षा में चुनौतियाँ एवं समाधान पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऑनलाइन शिक्षा से ही हम एक फ्रेम में जुड़ पाते हैं। **बदलती दुनियाँ में अगर हम ऑनलाइन शिक्षा की दौड़ में आगे नहीं आये तो बहुत पिछड़ जायेंगे। फ्री और पावरफुल ब्राडबैंड का भारत में जाल बिछाया जाए। शिक्षा संबंधी चैनल को 24 घंटे चालू रखें।** दूरदर्शन के माध्यम से जानकारी दें। अवसर का लाभ उठाने की जरूरत है, शोधगंगा, स्वयं, ज्ञानदर्शन, दीक्षा जैसे पोर्टल का लाभ उठा कर आगे बढ़ सकते हैं।

विषय विशेषज्ञ – डॉ. महावीर प्रसाद मोदी पूर्व प्राध्यापक राजनीति विज्ञान शासकीय महाविद्यालय मुरैना (म.प्र.) ने "ऑनलाइन उच्च शिक्षा का भविष्य" पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में मानव मूल्य को समझने की आवश्यकता है। शिक्षा व अनुसंधान में जाति, धर्म, रूप, रंग, क्षेत्र का कोई स्थान नहीं है।

विषय विशेषज्ञ – डॉ. संजय बाघ, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई (महाराष्ट्र) ने ऑनलाइन उच्च शिक्षा में समस्या और समाधान पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि क्या भारतीय शिक्षा पद्धति ऑनलाइन शिक्षा पद्धति के लिए तैयार हैं? यह हमेशा देखना होगा कि शिक्षा से समझौता न किया जाये।

प्रतिभागियों की ओर से डॉ. एल.के. तिवारी, शासकीय महाविद्यालय आरंग ने परीक्षा संबंधी जानकारी दी। डॉ. बी.एन. जागृत शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव ने कहा कि तकनीकी शिक्षा आज की मांग है, किन्तु कई समस्या छात्रों को आ रही है।

प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी ने उद्घाटन सत्र में सभी अतिथियों के स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि कोविड–19 के आपात स्थिति में ऑनलाइन शिक्षा ही एक मात्र विकल्प है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. निर्मला उमरे विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने आभार व्यक्त किया। वेबिनार में देश के विभिन्न प्रदेशों से 1305 विद्वान प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया एवं यूट्यूब में करीब 2000 लोगों ने देखा।

इस अवसर पर डॉ. एस.आर. कन्नोजे, डॉ. ए.एन. माखीजा, डॉ. फुलसी राजेश, पटेल, डॉ. एलिजाबेथ भगत, स्वाति तिवारी सभी उपस्थित रहे। प्राचार्य द्वारा वेबिनार की सफलता पर, स्टाफ सभी ने बधाई दी।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) विश्वविद्यालय स्तरीय अन्तर्महाविद्यालयीन ऑनलाइन वेबीनार स्पर्धा आयोजन में 30 जून 2020 में महाविद्यालय (विभाग) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

संयोजक
डॉ. नागरत्ना गनवीर

डॉ. आई.आर. सोनवानी
प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

One day international webinar "Recent trends in Chemistry" by department of Chemistry

Dept

कोविड एवं जीवन प्रबंधन

वर्तमान में कोविड महामारी सम्बंधी नकारात्मक समाचारों के मानव मन–मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ा है। कोविड महामारी ने प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। ऐसी विपरीत परिस्थितियों में एक व्यक्ति मानसिक रूप से कैसे संतुलित रहे? इस पर आधारित एक ऑनलाईन कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया। जिसका शीर्षक **'कोविड एवं जीवन प्रबंधन'** (Covid and life managment) था। इस विषय पर विशेषज्ञ के रूप में डॉ. मोना माखीजा (मनोविश्लेषक) को आमंत्रित किया गया था। दिनांक 10.04.2021 दिन सोमवार समय 12.00 को आयोजित इस कार्यशाला के प्रारंभ में संस्था के प्राचार्य डॉ. आई.आर.सोनवानी ने इस विषय को समसामायिक बताते हुए विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी के साथ इसे अंगीकार करने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ्य होना ही आवश्यक नही है अपितु मानसिक रूप से भी स्वस्थ्य होना आवश्यक है। तत्पश्चात् वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.एन.माखीजा ने विषय विशेषज्ञ डॉ. मोना माखीजा का परिचय दिया। कार्यशाला के प्रारंभिक उद्बोधन में डॉ. मोना माखीजा ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया कि जिस प्रकार एक व्यक्ति बुखार को मापने के लिए थर्मा मीटर का उपयोग करता है, उसी प्रकार मन–सम्बंधी समस्याओं को जानने के लिए मानसिक थर्मा मीटर भी होता है। इस कथन को पावर पाइंट स्लाईड्स के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। एक स्लॉइट से कुछ व्यक्तियों के चित्र प्रदर्शित किए जिसके हावभाव देखकर ही बताया जा सकता था कि वे सब मानसिक रूप से परेशान हैं। एक और उदाहरण के माध्यम से एक स्लाइट प्रदर्शित की जिसमें तीन अलग–अलग रंग के बॉल (Bouncing Bal Animation) थे, उनका आकार असमान था। पीले रंग की बॉल तल से चिपकी थोड़ी चिपकी हुई थी, बैगनी रंग की बॉल तल से थोड़ी उपर एवं नीले रंग की बॉल तल से पिछली बॉल की तुलना में ऊंची थी। प्रतीकात्मक रूप विषय विशेषज्ञ ने बताया कि हर एक मंद व्यक्ति की मानसिक स्वस्थता को दर्शाता जो बॉल की विशेषता होती है कि यदि उसे तल पर तीव्रता से फेंका जाए तो वह तुरंत वापस आती है। पीली बॉल फेंकने से पिचक गई है, अतः मानसिक स्वस्थता की दृष्टि से वह अस्वस्थ है, बैगनी रंग की बॉल फेंकने पर वह तल से थोड़ा सा ही ऊपर वापस गई अतः वह बॉल पीली के तुलना में थोड़ी बेहतर स्वस्थ है किंतु नीली बॉल फेंकने पर काफी तेजी से वापस हुई अतः वह पूर्ण रूप से मानसिक रूप से स्वस्थ्य है। इसी प्रकार व्यक्ति भी विभिन्न मानसिक उलझान/परेशानियों से जल्द से जल्द बाहर आ जाता है तो ऐसा व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ कहलाएगा, अर्थात नीली बॉल की तरह डॉ. मोना माखीजा ने मन की सेहत के लिए 4 मंत्र बताए, जिसमें पहला मंत्र है, अपने आप से सही प्रश्न पूछें। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनेक प्रकार की समस्याएं आती हैं अतः यह सोचने या चिंतन करने में अपनी समय एवं ऊर्जा खर्च करने के स्थान पर उसके समाधान हेतु क्या करना है, इस पर विचार एवं चिंतन करना उपयोगी होगी। यही बात उन्होंने पावर पाइंट में एक चित्र के माध्यम से प्रदर्शित की जिसमें एक बच्चा अपनी बाप से बड़ा जूता पहना हुए दिख रहा है, दूसरी स्लाइड के चित्र में बच्चे के जूते के एड़ी की ओर अतिरिक्त भाग पर क्लिप लगा है, जिससे वह जूता पहनने योग्य हो गया। निष्कर्ष के रूप में उन्होंने बताया कि समस्याओं पर बहस करने के बजाय उसके समाधान पर जोर देना बेहतर होता है। एक अन्य स्लाइड के माध्यम से उन्होंने एक

हथेली दिखाई जिसके अंदर मेरी क्रिया, मेरी प्रतिक्रिया लिखा था। डॉ. मोना ने बताया कि उक्त दोनों अपने नियंत्रण में होते हैं किंतु अन्य बातें जैसे– अन्य व्यक्ति आपके बारे में क्या सोचते हैं? आपके पिता की नौकरी, मौसम, भूतकाल इत्यादि एक व्यक्ति के नियंत्रण में नही होते अतः इस पर विचार या चिंतन करके अपनी समय एवं ऊर्जा खर्च करना व्यर्थ है। ऐसा करके व्यक्ति अपनी मानसिक समस्याओं को बढ़ाता है। कोविड से जोड़ते हुए भी यही निष्कर्ष दिया। इस प्रकार उन्होंने दूसरा मंत्र बताया कि जो नियंत्रण में नहीं है, उसका चिंतन अनावश्यक है। दो अलग–अलग व्यक्तियों का एक ही बात को लेकर अलग–अलग नजरिया हो सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि इसमें से काई गलत हैं। यही संदेश उन्होंने स्लाइड मे दो चित्रों के माध्यम से दिया, जिसमें अंग्रजी भाशा का एक अक्षर एक ओर खड़े व्यक्ति के लिए M है तथा दूसरे ओर खड़े व्यक्ति के लिए W है। एक अन्य चित्र में यही बात 6 एवं 9 के लिए बताई। निष्कर्ष के रूप मे उन्होंने तीसरा मंत्र बताया कि वो गलत नहीं अलग है। चौथा मंत्र, मेरा मन मेरी जिम्मेदारी है। विषय विशेषज्ञ ने कपड़ों से सुसज्जित एक आलमारी प्रदर्शित करते हुए कहा कि हमस सब अच्छा दिखने या लगने के लिए कपड़ों के रंग संयोजन, मौसम, अवसर इत्यादि बढ़ी सारी बातों को ध्यान में रखते हुए उनका चुनाव करते हैं। यही बात मन पर भी लागू होनी चाहिए। विचारों का चयन भी बड़ी सावधानी से करना चाहिए क्योंकि गलत विचार आपकों मानसिक रूप से परेशान कर सकते हैं। अतः विचारों की स्वच्छता एक व्यक्ति को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाती हैं। अंत में उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन में उतार चढ़ाव आना स्वभाविक हैं। विशेष रूप से कोविड ने जनमानस को झकझोर कर रखा है। एक आम व्यक्ति इसी वजह से डर, अवसाद आदि मानसिक समस्याओं से जूझ रहा है, अतः इस विपरीत परिस्थिति में हम चार मंत्रों का अनुकरण करने पर मानसिक रूप स्वस्थ रह सकते है। मानसिक स्वस्थता हमारी शारीरिक एम्यूनिटी को बढ़ती है। इए अच्छे एइम्यून युक्त व्यक्ति कोविड जैसी गंभीर बीमारी को रोकने में कारगर होता है।

प्रत्येक मंत्र से सम्बंधित उपयोगी जानकारियों के बताने के उपरांत विशेषज्ञ ने विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को जिज्ञासा या प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित है एवं उसकी समाधान किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रचार्य डॉ. आई.आर.सोनवानी ने कार्यशाला को सभी के लिए बहुउपयोगी बताया एवं अगले सत्र में इसी प्रकार के लिए कार्यक्रम में सहभागिता हेतु विशेषज्ञ से आग्रह किया। इसके प्रश्चात डॉ. ए.एन. माखीजा द्वारा आभार प्रदर्शित किया गया। इस कार्यशाला में शैक्षणिक स्टॉफ के साथ करीब 70 सहभागी थे प्रतिभागियों से कार्यशाला के बारे में सकारात्मक प्रतिपुष्टि प्राप्त हुई।

HOD
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

असर्टिव कम्यूनिकेशन कार्यशाला

//प्रतिवेदन//

दिनांक 22 दिसम्बर 2021 को वाणिज्य विभाग में सम्प्रेषण कला के विकास के लिए विद्यार्थियों के लिए 'असर्टिव कम्युनिकेशन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में शहर की मनोविश्लेषक डॉ. मोना माखीजा थी। कार्यशाला के आरंभ में उन्होंने असर्टिव कम्यूनिकेशन का आशय बताया। असर्टिव कम्यूनिकेशन दूसरे पक्षकार को सम्मान का ध्यान रखते हुए अपनी बात प्रत्यक्ष एवं स्पष्ट रखना है। इसी क्रम मे उन्होंने कहा कि लोग अक्सर 'असर्टिवनेस' एवं 'आक्रमकता' में भेद नही कर पाते। आक्रमकता में व्यक्ति अपनी राय अथवा आवश्यकता को दबावपूर्णक अन्य व्यक्तियों पर थोपता है, जबकि असर्टिवनेस में अन्य व्यक्ति के समक्ष सम्मानपूर्वक अपनी बात रखी जाती हैं। आक्रमकता में समझौता नही होता जबकि असर्टिवनेस के अंतर्गत अक्सर समझौतावादी प्रवृत्ति पाई जाती हैं। कभी–कभी आक्रमकता में भौतिक बल प्रयोग भी होता है, जबकि आसर्टिव में अपना मत रखने की स्पष्टता होती है। यही कारण है कि आक्रमकता के अंतर्गत सम्बंधों को नुकसान होता है साथ ही आत्मसम्मान में भी कमी पाई जाती है। पावर पाइंट के मध्यम से डॉ. माखीजा ने बताया कि एक 'हाइली असर्टिव व्यक्ति' एवं 'लो–असर्टिव व्यक्ति' के पहचान के कौन–कौन से तरीके है, जिसमें उसकी आवाज एवं शारीरिक भाषा मुख्य है। एक असर्टिव व्यक्ति निम्न घटकों का योग होता है या जिन विशेषताओं के कारण उसे असर्टिव कहा जाता है, उसमे 'नहीं' बोलने अथवा अस्वीकार करने की क्षमता होती है। अन्य व्यक्ति के अच्छे कार्यों की उनके द्वारा तारीफ की जाती है। यदि कोई दूसरा व्यक्ति उनकी तारीफ करे तो उसे सहज रूप में स्वीकार करते हैं। उनके द्वारा प्रतिपुष्टि दी जाती है। ऐसे, व्यक्ति अपनी आलोचनाओं को भी सहजता से स्वीकार करते हैं। अपने व्याख्यान के अंत में श्रोता विद्यार्थियों में से तीन विद्यार्थियों का चयन कर 'असर्टिव कम्युनिकेशन' की एक 'रोल प्ले' के लिए आमंत्रित किया। तीनों विद्यार्थियों से कहा गया कि वे मान लो एक रेस्टोरेंट भी दोपहर भोजन हेतु पहुचे। वेटर द्वारा जो भोजन परोसा गया व किस्म व स्वाद में अपेक्षानुसार नही था। तीनों विद्यार्थियों से ऐसे मामले के उनकी प्रतिक्रिया जानी गई। 'लो असर्टिव व्यक्ति' ने कहा कि, जैसा भी भोजन खा लेगा'। 'आक्रमक व्यक्ति ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि पहले वेटर को बुलाकर डाटेगा एवं उसके बाद मैनेजर को बुलाने का आदेश देकर उसे भी डांटेगा, किंतु एक 'असर्टिव व्यक्ति' ने कहा कि वह पहले वेटर को बुलाकर

उसने भोजन की कमियां बताते हुए मैनेजर को बुलाने के लिए कहेगा अन्यथा वह भोजन छोड़कर चला जाएगा। इस कार्यशाला में वाणिज्य संकाय के लगभग 80 विद्यार्थियों की सहभागिता रही। कार्यशाला में प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के साथ कला संकाय के प्राध्यापक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. ए.एन.माखीजा एवं आभार प्रदर्शन श्री अनिल चन्द्रवंशी द्वारा किया गया।

विभागाध्यक्ष
वाणिज्य संकाय

PRINCIPAL
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

मनोविश्लेषक डॉ. मोना माखीजा का मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान

नई दुनिया 13/10/2018

मानसिक तनाव से दूर रहने विद्यार्थियों को दिए गए टिप्स

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नई दुनिया 13/10/2018

// आत्महत्या रोकथाम विषय पर डॉ. मोना ने साइंस कॉलेज में दिया व्याख्यान //

राजनांदगांव। किशोरों में बढ़ती हुई आत्महत्या की प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, में इस विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. मोना माखीजा, **(मनोविश्लेषक)** को आमंत्रित किया गया। डॉ. मोना माखीजा ने बताया कि किसी भी व्यक्ति के लिए आत्महत्या की खबर झकझोर करने वाली होती हैं। यह अत्यंत दुखदायी होता है जबकि आत्महत्या करने वाला उनका रिश्तेदार अथवा करीबी होता है। अक्सर आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के सम्बंध में अनेक प्रश्न दूसरों के दिमाग में आते हैं, उसने ऐसा क्यों किया होगा? क्या उसके परिवार के सदस्य इस बात को पहले समझ नहीं पाये? ताकि उसे ऐसा करने से रोका जा सकता है। वैश्विक आंकड़े के अनुसार विश्वभर में प्रत्येक 40 सेकेण्ड में एक व्यक्ति आत्महत्या कर रहा है, जो कि समाज के लिए चिंता का विषय है। इस पर पावर पाइंट के माध्यम से उन्होंने बताया कि आत्महत्या कोई त्वरित विचार या त्वरित घटना नहीं होता यह लम्बे समय तक की सोच के बाद का परिणाम है। मनोविश्लेषक डॉ. माखीजा ने बताया कि कैसे पहले से ही आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के संकेतों को पहचाने तथा ऐसे व्यक्ति की प्रवृत्ति को रोकने के लिए कौन–कौन से उपाय करने चाहिए?

प्रोजेक्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को विषय की गंभीरता और रोकथाम हेतु आवश्यक कदम पर जोर देते हुए बताया कि आज हर 40 सेकेण्ड में बहुत से लोग अपने जीवन को खो दे रहे हैं अर्थात आत्महत्या कर रहे हैं।

अतः डॉ. मोना ने महत्वपूर्ण उपाय पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कहा कि हमें केवल उस व्यक्ति की ही सुनना है, सुनना है, और सुनना है क्योंकि उत्तर उसी व्यक्ति के पास है। एक सकारात्मक शब्द हमें उसके लिए बोलना है **जैसे– मैं हूँ तुम्हारे साथ, या मैं हूँ** ना और हमकों उसकी सारी बातें सुनना है।

इस कार्यक्रम के महत्व और सुझाव संबंधी उपस्थित विद्यार्थी एवं स्टॉफ से फीडबैक लिया गया। विद्यार्थियों ने कहा यह व्याख्यान वर्तनमान संदर्भ में आत्महत्या जैसे कदम को रोकने हेतु एक सफल प्रयास है। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

इतिहास विभाग

वेबीनार

दिनांक – 05.08.2020

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
Department of History

CERTIFICATE

OF PARTICIPATION

Govt. Shivnath Science College

Rajnandgaon, Chhattisgrah

College Code No. - 1903

Affiliated to Hemchand Yadav University Durg, Accredited by NAAC with Grade "B"

This Certificate is proudly presented to

Anil Kumar Chandrawanshi

Of Govt. Shivnath Science College, Rajnandgaon (C.G.)

for Participation in the one day National Webinar on
""Effect of Globalization on Tribal Society and Culture""
Organised by Department of History, Govt. Shivnath Science College, Rajnandgaon (C.G.)
on 05 August, 2020.

Dr. Fulso Rajesh Patel Convenor Department of History	Dr. Abadh Kishor Jha Coordinator Department of Chemistry	Dr. Nirmala Umare IQAC Cooridinator Department of Economics	Dr. I.R. Sonwani Principal / Chairman

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
website - www.shivnathcollege.com
Phone no. 07744-291599

क्रमांक /3127/स्था./2020

राजनांदगाँव, दिनांक 29/07/2020

महाविद्यालय द्वारा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग को भेजे जाने वाली संक्षिप्त जानकारी का प्रारूप

1.	महाविद्यालय का नाम	–	शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)
2.	प्राचार्य का नाम एवं मोबाईल नं.	–	डॉ. आई.आर. सोनवानी, मो.नं. 9755818595
3.	वेबीनार का स्तर – राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय	–	राष्ट्रीय
4.	विभाग का नाम	–	इतिहास
5.	कितने प्रदेश के लोग शामिल होंगे (प्रस्तावित संख्या)	–	04
6.	यदि अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार है तो कितने विदेशी लोग शामिल होंगे (प्रस्तावित संख्या)	–	निरंक
7.	वेबीनार का विषय एवं आयोजन तिथि/समय	–	"वैश्वीकरण का आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव".
	दिनांक/समय	–	05.08.2020/12.00 से 03.00 बजे तक
8.	वेबीनार के आयोजन हेतु किस एप/प्लेटफार्म का उपयोग होगा	–	जूम एप, यूट्यूब
9.	कुल पंजीकृत प्रतिभागियों की (प्रस्तावित संख्या)	–	500 लगभग
10.	क्या प्रश्नोत्तर काल भी (Question Answer Session) होगा?	–	हाँ
11.	क्या वेबीनार के आयोजन हेतु उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन से अनुमति ली गई?	–	हाँ
12.	वेबीनार में शामिल होने हेतु लिंक की जानकारी	–	https://t.me/joinchat/AAAAAFQQcVbW-9dsQPWNEA

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /2126/ स्था. /2020 राजनांदगाँव, दिनांक 29 / 07 / 2020

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
ब्लॉक सी–3, द्वितीय एवं तृतीय तल
इन्द्रावती भवन, नया रायपुर (छ.ग.)

विषय :– राष्ट्रीय (ऑनलाइन) वेबीनार का आयोजन करने हेतु अनुमति बाबत्।

——00——

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **दिनांक 05.08.2020** को विषय–''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव'' पर राष्ट्रीय (ऑनलाइन) वेबीनार का आयोजन पूर्व से प्रस्तावित है, अतः इस आयोजन को सम्पन्न कराना है। उक्त वेबीनार में लगभग 500 प्रतिभागी (ऑनलाइन) रहेंगे तथा छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों के (04) विषय विशेषज्ञ (ऑनलाइन) व्याख्यान देंगे। यह वेबीनार प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होगा।

अतः अनुमति देने की कृपा करेंगे।

''धन्यवाद''

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /210/ स्था. / 2020

राजनांदगाँव, दिनांक 22 / 07 / 2020

प्रति,

माननीय डॉ. सोनाझारिया मिंज,
कुलपति
सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,
दुमका, झारखण्ड

विषय :– ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव'' पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हेतु मुख्य आतिथ्य की स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा विषय **''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव''** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए मुख्य आतिथ्य हेतु आप सादर आमंत्रित है।

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

''धन्यवाद''

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /2103/ स्था. / 2020 राजनांदगाँव, दिनांक 22 / 07 / 2020

प्रति,

डॉ. एम.ए. खान,
विभागाध्यक्ष इतिहास, सेवानिवृत्त
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)

विषय :– "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **"वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"।**

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

"धन्यवाद"

संयोजक
डॉ. फुलसी राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /21 04/ स्था. / 2020 — राजनांदगाँव, दिनांक 22 / 07 / 2020

प्रति,

डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्रा,
आचार्य, इतिहास विभाग, सेवानिवृत्त,
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)

विषय :– "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **"छत्तीसगढ़ के आदिवासी युवाओं में सूचना क्रांति का प्रभाव"।**

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

"धन्यवाद"

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /211/स्था./2020 राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. आभा रूपेन्द्र पाल,
विभागाध्यक्ष इतिहास,
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)

विषय :– ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव'' पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव''** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **''आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव''।**

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

''धन्यवाद''

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com website - www.shivnathcollege.com
Phone no. 07744-291599

क्रमांक /911/स्था./2020 राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. आभा रूपेन्द्र पाल,
विभागाध्यक्ष इतिहास,
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)

विषय :– "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **"आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव"**।

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

"धन्यवाद"

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Desk/Deepak/Webinar/History/Letter

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599

website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /2108/स्था. /2020

राजनांदगाँव, दिनांक 22 / 07 / 2020

प्रति,

डॉ. एस.डी. झा,
प्राचार्य, सेवानिवृत्त,
शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)
वर्तमान में प्राचार्य– नलिनी प्रभा देवी प्रसाद राय महाविद्यालय,
सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

विषय :– "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा विषय **"वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन दिनांक **05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **"वैश्वीकरण के दौर में आदिवासियों के सम्मुख चुनौतियाँ"**।

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

"धन्यवाद"

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक 6105/स्था./2020 राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. प्रतिभा पाण्डेय,
प्राध्यापक, इतिहास विभाग,
मोहन लाल सुहाडिया, विश्वविद्यालय,
उदयपूर, राजस्थान

विषय :- "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा विषय **"वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **"उत्तर भारत के आदिवासी समाज और संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव"।**

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

"धन्यवाद"

संयोजक
डॉ. फूलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /2109/स्था./2020

राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. के.के. अग्रवाल,
प्राध्यापक, सेवानिवृत्त
शासकीय खुबचंद बघेल स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
भिलाई–03, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव'' पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा विषय **''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव''** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। विशिष्ट वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **''छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव''**।

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

''धन्यवाद''

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक 6110/स्था./2020 राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. पंकज सिंह,
वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग,
डॉ. हरिसिंह गौर, केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

विषय :- ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव'' पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव''** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। विशिष्ट वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **''पूर्वोत्तर भारत के आदिवासी समाज और संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव''**।

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

''धन्यवाद''

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599

website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /311/स्था. /2020

राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय,
विभागाध्यक्ष इतिहास,
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रुप में स्वीकृति बाबत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव"** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। विशिष्ट वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **"कोविड–19 का आदिवासियों के उच्च शिक्षा पर प्रभाव"**।

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

"धन्यवाद"

संयोजक
डॉ. कुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599

website - www.shivnathcollege.com

क्रमांक /2113/स्था./2020 राजनांदगाँव, दिनांक 22/07/2020

प्रति,

डॉ. बी.के. प्रसाद,
इतिहास विभागाध्यक्ष
शासकीय नवीन महाविद्यालय,
मैनपुर (छ.ग.)

विषय :– ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव'' पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वीकृति बावत्।

——00——

विनम्र निवेदन है कि शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में इतिहास विभाग द्वारा **विषय ''वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव''** पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन **दिनांक 05.08.2020** को समय दोपहर 12 बजे से 02:50 बजे तक जूम एप एवं यूट्यूब के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष अतिथि हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। विशिष्ट वक्ता के रूप में अभिव्यक्ति के लिए आपका विषय है – **''भारत के आदिवासी समाज का बदलता स्वरूप वैश्वीकरण के संदर्भ में''।**

कृपया इस हेतु अपना बहुमूल्य समय प्रदान कर महाविद्यालय परिवार को अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

''धन्यवाद''

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. आई.आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में दिनांक 05.08.2020 को इतिहास विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन सम्पन्न हुआ। "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव" इसका विषय था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सोनाझरिया मिंज, कुलपति सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका, झारखण्ड थी। उन्होंने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों में निवास करने वाले जनजातियों का विस्तृत पृष्ठाधार को रेखांकित किया। तत्पश्चात उन्होंने आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर वैश्वीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव को बड़ी गहराई से उद्धृत की। उन्होंने आदिवासियों के जीवन–शैली, खान–पान, रीति–रिवाज, धार्मिक मान्यताओं को विश्व पटल पर एक नई पहचान मिली है, उसकी संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके अलावा वर्तमान दौर में आदिवासियों पर हो रहे अप्रत्याशित जुल्म शोषण एवं अन्य त्रासदी एवं अत्याचार पर गहरी चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने इस अवसर पर केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों के आदिवासी विकास एवं कल्याण के उपयोगी एवं कारगार योजनाओं एवं उप योजनाओं की प्रशंसा की। मुख्य आतिथ्य अपने उद्बोधन में आदिवासियों के समसामयिक मुद्दों को केन्द्रित कर राष्ट्रीय पटल पर रखने की पहल के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी एवं इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. फुलसो राजेश पटेल के साथ महाविद्यालय परिवार को बहुत–बहुत शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

इस आयोजन के मुख्य वक्ता डॉ. एम.ए. खान, प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष (सेवा निवृत्त) रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) थे, उन्होंने अपने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए भारत में वैश्वीकरण के दौर तथा उसकी अवधारणा को व्यक्त करते हुए ब्रिटिशकालीन आरंभिक भारतीय वैश्विक के प्रभाव को व्यक्त किया। अपने उद्बोधन में आगे उन्होंने कहा– बंगाल, बिहार और उड़ीसा में स्थाई बन्दोबस्त के गुण दोषों को व्याख्या करते हुए आदिवासियों पर जो अत्याचार के प्रतिरोध में जो स्वर मुखरित हुआ उसका विस्तृत वर्णन किया, साथ ही कृषि के व्यावसायिकरण से भारतीयों के आर्थिक हानि और अंग्रेजों को आर्थिक लाभ किस तरह होता था उसे स्पष्ट किया, आगे उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शोषण नीति के खिलाफ आदिवासी बिरसा मुण्डा ने विद्रोह का बिगुल बजाया तथा आदिवासियों को संगठित कर उनमें साहस का संचार किया। उसे स्पष्ट करते हुए आजादी के आंदोलन में उस क्षेत्र के आदिवासियों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन के मुख्य वक्ता डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र आचार्य, सेवानिवृत्त, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.) थे, उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी युवाओं में सूचना क्रांति के प्रभाव को प्रस्तुत किया। मिश्रा जी ने कहा कि सूचना क्रांति का इस समाज के युवा वर्ग पर ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है, परिणाम स्वरूप सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा शैक्षणिक सूचनाएँ प्राप्त होने के कारण इस समाज के युवाओं में जागरूकता बढ़ी है। जिसके कारण इस वर्ग के युवा धोखाधड़ी, अपराध जैसे कृत्यों से बचने के लिए सचेत हो रहे हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में आगे कहा कि समाज के युवा वर्ग अपने अधिकार और कर्त्तव्य को जानने लगे हैं, फलतः रचनात्मक दिशा की ओर आगे बढ़ रहे हैं। सूचना क्रांति के परिणाम है कि तिरस्कार एवं हीन भावना से मुक्त होकर राष्ट्रीय धारा से मिलकर दिन प्रतिदिन जुड़ते जा रहे हैं।

इस वेबीनार कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आभा रूपेन्द्र पाल, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक इतिहास, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.) ने आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव पर व्याख्यान प्रस्तुत की, उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्वीकरण के कारण आदिवासी महिलाओं में शिक्षा के प्रति रूचि सामाजिक जागरूकता तथा राजनीतिक चेतना के कारण जीवन स्तर में सुधार एवं बेहतर जिन्दगी के लिए धनोपार्जन के प्रति उनमें जिज्ञासा बढ़ी है। फलतः उन्नति की ओर अग्रसर हुए हैं।

डॉ. प्रतिभा पाण्डेय, इतिहास विभाग एवं प्राध्यापक, मोहनलाल सुखड़िया वि.वि. उदयपुर, राजस्थान इस आयोजन में ससम्मान सम्मिलित हुई थी, उन्होंने उत्तर भारत के आदिवासी समाज और संस्कृति पर विचार व्यक्त किये, उन्होंने कहा कि उत्तर भारत के आदिवासी समाज वैश्वीकरण के दौर में कई संक्रमण के दौर से गुजरे परन्तु पहले की अपेक्षा इनकी स्थिति में काफी सुधार आई है, यदि विकास के सभी योजनाएँ भलिभांति क्रियान्वित हो तो उनके विकास के गति में और अधिक तेजी आ सकती है।

कार्यालय–प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com
Phone no. 07744-291599
website - www.govtshivnathcollege.in

क्रमांक /2129/स्था./2020

राजनांदगाँव, दिनांक 11/08/2020

आदरणीय,

सर/मैडम,

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार दिनांक 05.08.2020 को विषय–"वैश्वीकरण का आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव" पर आयोजित कार्यक्रम में आपके द्वारा अभिव्यक्त व्याख्यान की हार्डकॉपी एम.एस.वर्ड कृतिदेव 010 में महाविद्यालय के ईमेल आई.डी. में प्रेषित करें।

महाविद्यालय द्वारा "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव" विषय पर पत्रिका का प्रकाशन कराना प्रस्तावित है।

सहयोग की सादर अपेक्षा है।

सादर

संयोजक
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
विभागाध्यक्ष इतिहास

(डॉ. निर्मला उमरे)
प्र.प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Govt. Shivnath Science College

Rajnandgaon (C.G.), Accrediated by NAAC "B" grade with 2.29 CGPA

Department of History

Organise

ONE DAY NATIONAL WEBINAR ON

"Effect of Globalization on tribal Society and Culture"

Date: 5th Aug. 2020, Time: 12:00 PM to 3:00 PM

Chief Guest
Dr. Sonajhariya Minz
Honorable Voice Chancellor
Sido Kanhu Murmu University, Dumka (J.H.)

Objective of this Webinar

- Positive and negative impact on tribal society and culture in the era of globalization.
- Why after so many years of independence there is no proper development of tribal society? Its reason and solution.
- Tribal religion is a separate religion. Justification of recognition of separate religion.

Patron
Dr. I. R. Sonwani
Principal, Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Chief Speaker
Dr. M. A. Khan
Retired Professor & HOD
Department of History
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)

Chief Speaker
Dr. Ramendranath Mishra
Retired Professor
Department of History
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)

Chief speaker
Dr. Abha Rupendra Pal
Professor & HOD
Department of History
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)

Chief Speaker
Dr. Pratibha Pandey
Professor & HOD
Department of History
Mohanlal Sukhadia University
Udaipur, Rajsthan

Chief Speaker
Dr. S. D. Jha
Retired Principal
Department of History
Govt. Vivekanand PG College
Manendragarh (C.G.)

Speaker
Dr. K. K. Agrawal
Retired Professor
Dept. of History
Govt. Khubchand Bhagel PG College
Bhilai (C.G.)

Speaker
Dr. Pankaj Singh
Senior Assistant Professor
Dept. of History
Govt. Hari Singh Gaur Central University
Sagar (M.P.)

Speaker
Dr. Anil Kumar Pandey
Assistant Professor & HOD
Dept. of History
Govt. V. Y. T. Autonomous PG College
Durg (C.G.)

Speaker
Dr. B. K. Prasad
Assistant Professor & HOD
Dept. of History
Govt. Naveen College
Mainpur (C.G.)

Note:

- **Registration Link:**
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSezCbVIvivIWi2_YxZoISNRwc2IJgqnxwKaOr2JZ3OdFjDM5w/viewform
- There is no Registration Fee.
- E-Certificates will be issued to all the active participants on submission feedback form.
- All Participants must join our Telegram Channel link after Registration.
https://t.me/joinchat/AAAAAFQQcVhW-9dsQPWNEA
- Join us on: **YouTube live link**
- Contact us for Technical Assistance - Prof. Anil Chandrawanshi- 9340266020, Dr. S. R. Kannoje- 9827155403

Convenor
Dr. Fulso Rajesh patel
Assistant Professor & HOD
Department of History
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Coordinator
Dr. A. K. Jha
Assistant Professor & HOD
Department of Chemistry
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

IQAC Coordinator
Dr. Nirmala Umre
Assistant Professor & HOD
Department of Economics
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Co-convenor
Dr. Nagratna Ganveer
Assistant Professor & HOD
Department of Political Science
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Schedule of one day National Webinar
on
"Effect of Globalization on tribal Society and Culture"
Date: 5th Aug. 2020, Time: 12:00 PM to 3:00 PM

Inaugral Session

कार्यक्रम प्रारंभ की उद्घोषणा एवं संचालन

डॉ. फुलसो राजेश पटेल

विभागाध्यक्ष (इतिहास), शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनाँदगाँव (छ.ग.)

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं स्वागत उद्बोधन , समय– **12:00 pm से 12:05 pm**

डॉ. आई.आर. सोनवानी

प्राचार्य, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्याल, राजनादगांव (छ.ग.)

मुख्यअतिथि

विषय– "वैश्वीकरण का आदिवासी समाज और संस्कृति पर प्रभाव", समय– **12:05 pm से 12:20 pm**

डॉ. सोनाझरिया मिंज

कुलपति, सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका, झारखण्ड

मुख्य वक्ता

विषय– "वैश्वीकरण का भारत के आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव", समय– **12:20 pm से 12:40 pm**

डॉ. एम.ए. खान

विभागाध्यक्ष इतिहास, सेवानिवृत्त , पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

विषय– "छत्तीसगढ़ के आदिवासी युवाओं में सूचना क्रांति का प्रभाव", समय– **12:40 pm से 01:00 pm**

डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्रा

इतिहास विभाग, सेवानिवृत्त, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

विषय– "आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव", समय– **01:00 pm से 01:20 pm**

डॉ. आभा रुपेन्द्र पॉल

विभागाध्यक्ष इतिहास, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

विषय:– ''उत्तर भारत के आदिवासी समाज और संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव'',समय– **01:20pm से 01:35 pm**

डॉ. प्रतिमा पाण्डेय

प्राध्यापक इतिहास विभाग, मोहनलाल सुखाडिया वि.वि. उदयपुर राजस्थान

विषय:– ''वैश्वीकरण के दौर में आदिवासियों के सम्मुख चुनौतियाँ'', समय– **01:35 pm से 01:50 pm**

डॉ. एस.डी. झा

सेवानिवृत्त प्राचार्य, शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.), वर्तमान में प्राचार्य–नलिनी प्रभा देवी प्रसाद राय महाविद्यालय, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

वक्ता

विषय:– ''छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज एवं संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव'', समय– **01:50 pm से 02:05 pm**

डॉ. के.के. अग्रवाल

प्राध्यापक, सेवानिवृत्त, शास. खूबचंद बघेल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई–3, दुर्ग (छ.ग.)

विषय:– ''पूर्वोत्तर भारत के आदिवासी समाज और संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव'', समय– **02:05 pm से 02:20 pm**

डॉ. पंकज सिंह

वरिष्ठ सहा.प्रा. इतिहास विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र)

विषय:– ''कोविड–19 का आदिवासियों के उच्च शिक्षा पर प्रभाव'', समय– **02:20 pm से 02:30 pm**

डॉ. अनिल कुमार पाण्डे

विभागाध्यक्ष इतिहास, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय:– ''भारत के आदिवासी समाज का बदलता स्वरूप वैश्वीकरण के संदर्भ में'', समय–**02:30 pm से 02:40 pm**

डॉ. बी.के. प्रसाद

विभागाध्यक्ष इतिहास, शासकीय नवीन महाविद्यालय, मैनपुर (छ.ग.)

आभार प्रदर्शन , समय–**02:40 pm से 03:00 pm**

डॉ. एलिजाबेथ भगत

सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र), शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)